25 साल बाद पूरी होगी यमुना से पानी की आस

राजस्थान पत्रिका, नई दिल्ली, दिंनाक 04 फरवरी, 2021

यमुना से राज्य के सीकर, चूरू और झुंझुनूं के लिए पेयजल और सिंचाई के लिए पानी लाने की 25 वर्ष पुरानी आस अब पूरी होगी। इसके लिए राज्य के जल संसाधन विभाग के अफसरों ने मजबूती से दिल्ली में केन्द्रीय जल आयोग के समक्ष यमुना का पानी राजस्थान लाने के लिए पक्ष रखा। अधिकारियों ने यमुना का पानी हरियाणा से पाइप लाइन के जरिए चूरू, झुंझुनुं और सीकर लाने के लिए 31 हजार करोड़ की संशोधित डीपीआर का दो घंटे तक केन्द्रीय जल आयोग के मुख्य अभियंता के समक्ष प्रजेन्टेशन दिया। केन्द्रीय जल आयोग के समक्ष राज्य के इन तीन जिलों की पेयजल और सिंचाई के पानी की जरूरतों के जो तथ्य रखे, उनसे आयोग के अफसर संतोशप्रद नजर आए और जल्द ही राज्य की इस परयोजना की मंजूरी का आश्वासन दिया।

दो चरणों में पूरा होगा काम

जानकारी के अनुसार यमुना से पानी लाने का काम दो चरणों में पूरा होगा। पहले चरण में 14 हजार करोड़ और दूसरे चरण में 17 हजार करोड़ रूपए खर्च होंगे। यमुना का पानी मिलने के बाद सीकर और झुंझुनुं को पेयजल और झुंझुनुं और चूरू को सिंचाई का पानी मिलेगा।

5 राज्यों में एमओयू

यमुना से जल लेने के लिए 1994 में 5 राज्यों में एमओयू हुआ था। इस समझौते के बाद भी हरियाणा सरकार ने हरियाणा की नहरों के जरिए यमुना का पानी लाने के लिए अपनी सहमित नहीं दी। इस कारण चूरू, झुंझुनूं और सीकर जिलों के लिए पेयजल और सिंचाई के लिए पानी नहीं मिल सका। इसके बाद यमुना से पाइप लाइन के जरिए पानी लाने की योजना बनी और उसकी 31 हजार करोड़ रूपए की संशोधित डीपीआर बनाई गई।